एक नजर

उत्तराखंड आपदा में मृतकों, लापता और घायलों की सूची जारी

स्वतंत्र चेतना

देहरादून। उत्तराखंड के देहरादून जिले में अतिवृष्टि में मरने वाले लोगों की सूची जार की गई है। प्रशासन ने देर रात मृतकों की सूची जारी की। देहरादून के साथ ही कुमाऊं मंडल में भी जनहानि हुई है। विकासनगर-सहसपुर ने 08 में मृतक की सूची जारी की है। मृतकों में फरमान पुत्र स्व इदरीश, उम्र-28 वर्ष, सोमवती पत्नी हरचरण, उम्र-55 वर्ष, रीना पुत्री होराम, उम्र-22 वर्ष, हरचरण पुत्र फूल सिंह, उम्र-60 वर्ष, नरेश पुत्र उमसैन मदन पुत्र भरत, रानी पुत्री हीरालाल, उम्र-18 वर्ष, किरन पुत्री अमरपाल शाजमिल हैं। घायलों में अमपाल पुत्र गिरवर, अमन पुत्र नरेश शामिल हैं। इसके अलावा लापता में नीता पुत्री हीरालाल, सुन्दरी पुत्री मदन, राजकुमार पुत्र हरचरण, होराम पुत्र हरचरण शामिल हैं। कुमाऊं की तहसील डीडीहाट अंतर्गत लोहार गांव (भनड़ा) में अतिवृष्टि के कारण भूस्खलन होने से एक भवन की क्षतिग्रस्त होने के कारण मंजू गैड़ा पत्नी जगदीश गैड़ा की दबने से मृत्यु होने की सूचना प्राप्त हुई है। एसडीआरएफ, आईटीबीपी, राजस्व टीम, एसएसबी व पशुपालन विभाग एवं जिला प्रशासन की टीम द्वारा खोज एवं बचाव का कार्य किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड के देहरादून जिले में एक बार अतिवृष्टि ने कहर बरपाया। सहस्त्रधारा के पास कालीगार्ड व मण्झारा गांव के बीच बाढ़ और बारिश जनित घटनाओं में 13 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 16 से अधिक लोग अभी लापता हैं।

नैनी झील में मिला वृद्ध का शव

स्वतंत्र चेतना

नैनीताल। मंगलवार सुबह नैनी झील से एक वृद्ध का शव बरामद किया गया है। मृतक की पहचान नगर के अयारपाटा क्षेत्र निवासी 60 वर्षीय अनिल पुत्र बरा राम के रूप में हुई है। बताया गया है कि मृतक सोमवार सुबह से गायब था। परिजन तभी से उसकी तलाश कर रहे थे। आज सुबह उसका शव ठंडी सड़क पर पाषाण देवी मंदिर के पास नैनी झील की सतह पर तैरता नजर आया। सूचना मिलने पर पहुंची तल्लीताल पुलिस के जवानों में थाना प्रभारी उप निरीक्षक मनोज नयाल के नेतृत्व में शव को झील के किनारे लाकर उसकी शिनाख्त के प्रयास किये। उसके पास मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान हुई। इसके बाद पुलिस ने शव को पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिये भेज दिया। बताया गया है कि मृतक पूर्व में नगर के एक प्रतिष्ठित विद्यालय में कार्य करता था, लेकिन कई वर्ष पूर्व यहां से कार्य छोड़कर चला गया था और विद्यालय परिसर से बाहर रहता था। अलबत्ता उसका पुत्र विद्यालय में कार्य करता है। पुलिस उसके झील में डूबने के कारणों की जांच कर रही है।

नेपाली मूल की महिला सहित 5 लोगों के खिलाफ शांति भंग में मुकदमा

स्वतंत्र चेतना

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा के मुख्य पड़ाव गौरीकुंड में गाली-गलौज और मारपीट के मामले में पुलिस ने नेपाली मूल की महिला सहित पांच लोगों को हिरासत में लेकर शांति भंग के मामले में उनके विरूद्ध मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपितों का चालान भी किया है। आरोपितों का आपस में गाली-गलौज व मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया में भी वायरल हो रहा है। बीते सोमवार को अपराह्न बाद गौरीकुंड बाजार में एक होटल के समीप नेपाली मूल की एक महिला किसी व्यक्ति से गाली-गलौज करते हुए झगड़ा कर रही थी। तभी एक अन्य व्यक्ति वहां पर पहुंचता है और मारपीट करने लगता है। इसी दौरान नेपाली मूल के लोगों की लड़ाई और मारपीट का वीडियो बनाकर कुछ लोगों ने सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इस वीडियो का संज्ञान लेते हुए गौरीकुंड पुलिस चौकी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नेपाली मूल के 5 लोगों को हिरासत में लिया लिया।

ग्राम प्रधान के चुनाव मामले में अगली सुनवाई 23 को

स्वतंत्र चेतना

नैनीताल। उच्च न्यायालय ने कुछ समय पूर्व हुए ग्राम प्रधान के चुनाव में ग्राम कुंड जिला टेहरी गढ़वाल के उपजिलाधिकारी का मतगणना के दिन उनकी उपस्थिति वहां होने एवं चुनाव को टाई कराए जाने के मामले पर हारे प्रत्याशी की याचिका पर सुनवाई के बाद मामले की अगली सुनवाई के लिए 23 सितंबर की ति?थि नियत की है। मुख्य न्यायाधीश जी नरेन्दर एवं न्यायमूर्ति आशीष नैथानी की खंडपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। मामले के अनुसार टिहरी जिले का ग्राम कुंड पट्टी दसजुला जिला टिहरी की ग्राम प्रधान की उम्मीदवार मधु देवी नौटियाल ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर कहा था कि मतगणना के समय वे जीत गई थी लेकिन उन्हें एक मत जो अधिक पड़ा था उसको बिना किसी आधार के निरस्त कर दिया गया। लाटरी सिस्टम के आधार पर हारे हुए प्रत्याशी को विजयी घोषित कर दिया गया, जबकि वह मत उनके पक्ष में पड़ा था।

देहरादून के सहस्त्रधारा क्षेत्र के कारलीगाढ़ में बाढ़ से तबाही, कई घर व दुकानें बही

देहरादून मसूरी मार्ग कुठाल गेट के पास व कई अन्य स्थानों पर मलबा आने से अवरुद्ध

स्वतंत्र चेतना

देहरादून। उत्तराखंड में सोमवार रात भारी बारिश के चलते देहरादून जिले के सहस्त्रधारा क्षेत्र के कारलीगाढ़ के किनारे कई घरों मलबा समा गया। पर्यटक स्थल सहस्त्रधारा को भी नुकसान पहुंचा है। यहां कई दुकानें बह गई। सौंग नदी उफान पर है और इससे खतरा बना हुआ है। रायपुर केशर वाला में सड़क का करीब 90 मीटर हिस्सा भी ध्वस्त हो गया है। हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग पर लालतप्पड़ क्षेत्र में सीमा डेंटल कॉलेज के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी बारिश के कारण पुलिया का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। राहत एवं बचाव दल मौके पर मौजूद हैं।

बारिश का क्रम मंगलवार को भी जारी है। सोमवार रात तेज बारिश के बाद देहरादून जिले आपदा की चपेट में है। रायपुर क्षेत्र में मालदेवता चौकी से आगे केशरवाला मार्ग पर नदी का जलस्तर बढ़ने व तेज बहाव के कटाव से सड़क का लगभग सस्ता 80-90 मीटर हिस्सा बह गया है, जिस कारण मार्ग पर यातायात पूर्ण रूप से बाधित हो गया है। देहरादून मसूरी मार्ग कुठाल गेट के पास व कई अन्य स्थानों पर मलबा आने से अवरुद्ध है। देहरादून- हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग पर लालतप्पड़ क्षेत्र में सीमा डेंटल कॉलेज के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी बारिश के कारण पुलिया का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त होने से यातायात को पूर्ण रूप से प्रतिबंधित करते हुए देहरादून से हरिद्वार की ओर आने व जाने वाले वाहनो को भानियावाला व नेपाली फार्म से डायवर्ट किया गया है। जिलाधिकारी सविनय बंसल ने रात को ही राहत एवं बचाव दलों को मौके पर रवाना कर दिया था। जिलाधिकारी के निर्देश पर नदी किनारे रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया। इसके अलावा लोगों को लगातार सचेत किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने बताया कि बारिश को देखते हुए सभी थाना क्षेत्रो में पुलिस टीम रात्रि से ही लगातार नदी, नालों के किनारे व संवेदनशील स्थानों में भ्रमण कर रही है। लोगों को सतर्क किया जा रहा है और नदी के लगातार बढ़ते जलस्तर के कारण नदी नालों के किनारे न जाने की हिदायत दी जा रही है। दून पुलिस को अलर्ट मोड पर रखा गया है, साथ ही हर परिस्थिति पर निगरानी रखी जा रही है।

डीडीहाट नगर पालिका क्षेत्र में भूस्खलन, एक महिला की मौत

स्वतंत्र चेतना

देहरादून। विगत दो दिनों से हो रही तेज बारिश के बाद आज सुबह लगभग 7 बजे डीडीहाट नगर पालिका के पोस्ट ऑफिस वार्ड अंतर्गत लोहार गांव में भूस्खलन से एक आवासीय मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में मंजू गैड़ा (उम्र 50 वर्ष), पत्नी स्व. जगदीश सिंह गैड़ा की मलबे में दबने से मौत हो गयी।

सूचना पर प्रशासन, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आईटीबीपी, एसएसबी व पुलिस की संयुक्त टीम ने तत्काल रेस्क्यू कार्य आरंभ किया। जिलाधिकारी पिथौरागढ़ विनोद गोस्वामी स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्यों का निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। जिलाधिकारी ने पीड़ित परिवार से भेंटकर ढांढस बाधाया और हरसंभव सहयोग हेतु आश्वासन दिया। लगातार प्रयासों के बाद लगभग 12 बजे मृतका का शव मलबे से बरामद किया गया। रेस्क्यू के दौरान एक मृत गाय, एक मृत बकरी व दो जीवित बकरियों को भी बाहर निकाला गया। मृतका के शव को पोस्टमार्टम हेतु अस्पताल भेजा गया है। जिलाधिकारी ने राहत एवं बचाव कार्य में शामिल सभी एजेंसियों—प्रशासन, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आईटीबीपी, एसएसबी व पुलिस—के उत्कृष्ट समन्वय व त्वरित कार्रवाई की सराहना की और धन्यवाद ज्ञापित किया। साथ ही उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों की इस कार्य में सक्रिय भागीदारी की भी विशेष प्रशंसा की और धन्यवाद दिया। बताया गया कि मृतका ने मलबा आता देख अपने पशुओं को बचाने हेतु मकान में प्रवेश किया और अपने बधे पशुओं को खोलने लगी और इसी दौरान मलबे से पूरा मकान दब गया, वह भी मलबे में दब गई और उनकी मृत्यु हो गई। प्रशासन द्वारा भूस्खलन में हुई हानि का आंकलन किया जा रहा है और परिवार को मदद हेतु काम किया जा रहा है। आपदा की स्थिति को देखते हुए नगर पालिका क्षेत्र से 20-25 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है और ग्रामीण क्षेत्र में 5-7 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है।

ग्राम सारकोट में मुख्यमंत्री का जन्मदिन सादगीपूर्ण से मनाया गया

स्वतंत्र चेतना

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की ओर से गोद लिए गए चमोली स्थित आदर्श ग्राम सारकोट में मुख्यमंत्री का जन्मदिन सादगीपूर्ण तरीके से मनाया गया। सारकोट के ग्रामवासियों ने ग्राम प्रधान प्रियंका नेगी के नेतृत्व में एक स्थान पर एकत्र होकर भजन कीर्तन, एवं ग्राम देवता के मंदिर में पूजा अर्चना कर मुख्यमंत्री की दीघार्यु की कामना की। बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं ने कहा कि मुख्यमंत्री के सारकोट गांव गोद लेने के बाद यहां की तस्वीर बदली है। उन्होंने कहा गांव में स्थानीय स्तर पर ही रोजगार के द्वार खुले हैं। महिलाओं ने मुख्यमंत्री को अपना भाई बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने एक भाई, बेटे के रूप में सारकोट ग्राम की सेवा की है, जिसके लिए ग्रामवासी उनके आभारी हैं। प्रदेश के अन्य स्थानों पर भी मुख्यमंत्री के जन्मदिवस पर सेवा एवं जनकल्याण के कार्यक्रम सादगीपूर्ण तरीके से आयोजित किए गए। विभिन्न जिलों में आमजन ने जरूरतमंदों की सेवा, स्वच्छता अभियान, पौधारोपण, रक्तदान शिविर जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से मुख्यमंत्री की दीघार्यु और उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना की।

दुधिला में गौशाला में मलबा आने से 7 पशु बहे

स्वतंत्र चेतना

नैनीताल। जनपद मुख्यालय नैनीताल सहित जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में बारिश का क्रम मंगलवार को भी दिन भर रुक-रुक कर जारी रहा।

कुल 7 पशु बह गए हैं। उधर रात भर हुई बारिश से जनपद मुख्यालय के निकटवर्ती बजून क्षेत्र में बजून ग्राम सभा के दुधिला तोक में गांव के ऊपर बन रही बजून-अधौड़ा सड़क का मलबा रात्रि लगभग साढ़े 11 बजे गांव के एक आवासीय घर में आ गया। घर की ऊपरी मंजिल में स्वर्गीय दीवान सिंह ढैला के तीन पुत्र भूपाल सिंह, पूरन सिंह व हरेंद्र सिंह अपने परिवारों सहित रहते थे।

जबकि निचले तल-गोठ में पशु रहते थे। मलबा आने पर सभी लोगों ने किसी तरह बचकर जान बचा ली, लेकिन नीचे गोठ यानी गौशाला में बंधे दो-दो गाय, भैंस व बछडे तथा एक घोडा यानी कुल 7 पशुओं का मंगलवार को भी कुछ भी पता नहीं चला। इसके अलावा इस आपदा में

तीनों भाइयों की लगभग 20 नाली कृषि भूमि भी नष्ट हो गयी है, और घर का कीमती सामान भी मलबे-आपदा की भेंट चढ़ गया है। गांव में विद्युत आपूर्ति भी भंग है और मोबाइल-इंटरनेट का नेटवर्क भी नहीं आ रहा है।

गांव के बीच से बनी बजून-अधौड़ा सड़क बनी आपदा का कारण

ग्रामीणों के अनुसार गांव के बीच से जमीन काट कर बनायी जा रही सड़क इस आपदा का बड़ा कारण है। पिछले 5 वर्ष से भी अधिक समय से इस सड़क के मलबे की जद में 5 ग्रामीणों के परिवार आ रहे हैं। यह परिवार बरसात के मौसम में रात्रि में सो नहीं पाते हैं। कई बार इसकी शिकायत जिम्मेदार अधिकारियों से भी कर चुके हैं, लेकिन केवल पांच परिवार होने के कारण उनकी सुनी नहीं जा रही है। लोक निर्माण विभागों के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

नैनीताल में 118 मिमी बारिश-झील के पूरे गेट खोले

जिला मुख्यालय नैनीताल में सोमवार शाम से पूरी रात्रि वर्षा हुई। झील नियंत्रण कक्ष से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार नगर में सुबह 8 बजे तक बीते 24 घंटों में 119 मिमी बारिश दर्ज की गयी।

जबकि जनवरी माह से अब तक 2253, और जून माह से बरसात के मौसम में लगभग 3 माह में 1600 मिमी बारिश हुई थी। झील नियंत्रण कक्ष के प्रभारी रमेश गैड़ा ने बताया कि इन स्थितियों में रात्रि में झील के पूरे गेट खोलने पड़े और मंगलवार को भी सभी गेट 4 इंच खुले हैं। झील का जल स्तर 88 फिट के स्तर पर बनाकर रखा जा रहा है, जबकि झील की कुल क्षमता 89 फिट की है। उल्लेखनीय है कि नगर में औसत वार्षिक वर्षा 2500 मिमी मानी जाती है। इस प्रकार अभी भी नगर में हुई बारिश औसत से कम है। यह भी कहा जा रहा है कि इस वर्ष अब तक बारिश ने गत वर्षों के सापेक्ष अधिक सुरक्षि रही है।

क्षतिग्रस्त सड़कों-पुलों की मरम्मत का काम शुरू: सतपाल महाराज

मसूरी-देहरादून मार्ग पर वैली ब्रिज तैयार करने का चल रहा है काम

स्वतंत्र चेतना

देहरादून। उत्तराखंड के लोक निर्माण एवं सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज ने कहा है कि बीती रात से देहरादून एवं आसपास के इलाकों में हो रही आफत की बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। बारिश और बाढ़ से क्षतिग्रस्त सड़कों-पुलों की मरम्मत का काम शुरू हो गया है। मसूरी-देहरादून मार्ग पर वैली ब्रिज तैयार करने का काम चल रहा है।

लोक निर्माण एवं सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज ने मंगलवार को एक बयान जारी कर बताया कि बारिश से 20 से 30 सड़कें और कुछ स्थानों पर पुल क्षतिग्रस्त हुए हैं। जबकि बहुत से सम्पर्क मार्ग भी पूरी तरह से कट गये हैं। मसूरी-देहरादून मार्ग पर शिव मंदिर के

पास भारी बारिश के कारण पुल के क्षतिग्रस्त होने के यातायात को सुचारू करने के लिए वैली ब्रिज तैयार किया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग एवं एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह बरसात से बाधित मुख्य सड़कों को तत्काल ठीक कर यातायात बहाल करें। उन्होंने बताया कि प्रेमनगर नंदा की चौकी के समीप टौंस नदी पर क्षतिग्रस्त हुए पुल के कारण यातायात सुचारू रखने के लिए एनएचएआई को पूरी तरह से खोल दिया गया है।

लोनिवि मंत्री ने बताया कि मालदेवता के पास केसरवाला से आगे, रायपुर चौक से मालदेवता की ओर जाने वाली सड़क का लगभग 70-100 मीटर हिस्सा सौंग नदी के उफान के कारण बह गया जिसे भरने का काम शुरू कर दिया गया है। इसी प्रकार देहरादून-हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग लालतप्पड़ के जाखन नदी के पास बने पुल का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो जाने के बाद यातायात को भानियावाला और नेपाली फार्म से वैकल्पिक मार्गों पर भेज दिया गया है। पानी कम होते ही तत्काल पुल के क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत का काम शुरू कर दिया जाएगा।

सरकार और संगठन पूरी मजबूती से खड़ा है आपदा पीड़ितों के साथ: भट्ट

जन्मदिन पर सीएम का आपदा पीड़ितों के आंसू पोंछना, हौसला बढ़ाने वाला

स्वतंत्र चेतना

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने देहरादून समेत राज्य के विभिन्न हिस्सों में दैवीय आपदा में हुए जानमाल के नुकसान पर संवेदना की । उन्होंने पीड़ितों को भरोसा दिलाया कि संकट की इस घड़ी में सरकार और संगठन उनके साथ मजबूती से खड़े है। मुख्यमंत्री धामी अपने जन्मदिन पर भी राहत कार्यों को गति देने ग्राउंड जीरो पर पहुंचे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट मंगलवार को यहां पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भट्ट ने कहा कि पहाड़ के बाद अब मैदानी क्षेत्रों देहरादून, ऋषिकेश और नैनीताल में भारी बरसात के करण बहुत नुकसान हुआ है। पीड़ित परिवारों को हरसंभव मदद सरकार और संगठन के माध्यम से की जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री धामी मुख्य सेवक की भूमिका निभाते हुए हर प्रभावित इंसान तक पहुंचकर उनकी तकलीफों को दूर करने का प्रयास कर रहे हैं। जन्मदिन होने के बावजूद वह तड़के ही आपदाग्रस्त क्षेत्र पहुंचे और राहत बचाव कार्यों की धरातलीय मॉनिटरिंग की। उनके नेतृत्व में पुलिस प्रशासन, एनडीआरफ, एसडीआरएफ, वन विभाग, रेस्क्यू कार्यों में लगी तमाम एजेंसियां पूरी क्षमता और गंभीरता से कार्यरत हैं। हमे भरोसा है कि जनता के सहयोग से हमारी सरकार प्रत्येक प्रभावित व्यक्ति को इस असहनीय तकलीफ से निजात दिलाने में सफल होगी। भट्ट ने कहा कि सभी प्रभावित क्षेत्रों में पार्टी के कार्यकर्ता, ग्राउंड जीरो पर प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष रूप से पीड़ितों को अधिक से अधिक मदद दिलाने का प्रयास कर रहे हैं। बावजूद इसके पार्टी स्तर पर एक बार पुन: उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकताओं से राहत बचाव कार्यों में पूरी ताकत और मनोयोग से सहयोग करने का आग्रह किया है।

PPGCL
PRAYAGRAJ POWER GENERATION COMPANY LTD.
Regd Office: Shatabdi Bhawan, B12 & 13, Sector 4, Gautam Budh Nagar, Noida, Uttar Pradesh-201301
Plant Adress: PO- Lohgara, Tehsil-Bara, Prayagraj(Allahabad), Uttar Pradesh-212107
Phone : +91-120-6102000/6102009 CIN: U40101UP2007PLC032835
NOTICE INVITING EXPRESSION OF INTEREST
Prayagraj Power Generation Company Limited invites expression of interest (EOI) from eligible vendors for **Hiring of Manpower & Equipment for FGD PPGCL project**. of 3x660 MW Thermal Power Plant at Prayagraj Power Generation Company Limited, Bara, Dist. Prayagraj, Uttar Pradesh, India.
Details of pre-qualification requirements, bid security, purchasing of tender document etc. may be downloaded using the **URL- https://www.ppgcl.co.in/tenders.php** Eligible vendors willing to participate may submit their expression of interest along with the tender fee for issue of bid document latest by **23rd September 2025.**

आपदा पीड़ितों से मिले डीएम, हरसंभव मदद का दिया भरोसा

देहरादून जिले में बहे 13 पुल, मार्ग तहस-नहस

स्वतंत्र चेतना

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल ने देहरादून शहर के मालदेवता, सहस्त्रधारा, मजयाडा, कालीगार्ड आदि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में ग्राउंड जीरो पर पहुंच कर मौजूदा स्थिति और क्षति का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने पीड़ित परिवारों से भेंट करते हुए उन्हें हरसंभव मदद पहुंचाने का भरोसा दिलाया। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह और सीडीओ अभिनव शाह भी उनके साथ मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यो में तेजी लाए। लोनिवि एवं पीएमजीएसवाई पर्याप्त संख्या में मैनपावर और मशीनरी लगाते हुए अवरूद्व सड़क एवं संपर्क मार्गो को शीघ्र सुचारू करें। प्रभावित

क्षेत्रों में ड्राई राशन, राहत शिविर में ठहराए गए लोगों तक फूड पैकेट वितरण सुनिश्चित करते हुए उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध की जाए। जिलाधिकारी ने प्रभावित क्षेत्रों में बिजली, पानी एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को तत्काल बहाल करने के निर्देश दिए। सोमवार की रात्रि को अतिवृष्टि के कारण देहरादून के विभिन्न क्षेत्रों में जनहानि, पशु हानि, सरकारी एवं निजी संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचा है। सड़क, संपर्क मार्ग, पुल, पुलिया क्षतिग्रस्त होने से जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। जिलाधिकारी ने कहा कि आपदा की इस कठिन घडी में जिला प्रशासन प्रभावित परिवारों के साथ खडा है। प्रभावित लोगों तक मदद पहुंचाने में कोई कोर कसर नही छोड़ी जाएगी। आपदा प्रभावित सभी क्षेत्रों में पुलिस, प्रशासन, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के साथ क्विक रिस्पांस टीमें तैनात की गई है। रेस्क्यू कार्य के लिए जो भी आवश्यकता पड रही है, उस पर तत्काल कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की मदद से कालीगार्ड में फंसे 70 लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया है। आपदाग्रस्त क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को जल्द बहाल करने का प्रयास जारी है। जिलाधिकारी ने आपदा प्रभावित क्षेत्र सहस्त्रधारा, मजयाडा, कालीगार्ड में पैदल भ्रमण करते हुए क्षति का निरीक्षण किया। मजयाडा में तीन लोग मलबे में दबे होने और एक व्यक्ति लापता होना बताया गया। यहां पर कुछ आवासीय भवन, आंगनबाड़ी केंद्र, पंचायत भवन, सामुदायिक केंद्र, 13 दुकान, 08 होटल, 03 रेस्टोरेंट सहित सहस्त्रधारा-कालीगार्ड मोटर मार्ग भूस्खलन के कारण 09 से अधिक स्थानों पर क्षतिग्रस्त हुआ है। रा.पूर्व.मा.वि. चामासारी में बनाए गए राहत शिविर में कुछ प्रभावित लोगों को ठहराया गया है। शिविर में प्रभावित लोगों से मिलते हुए जिलाधिकारी ने उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रभावित परिवार यदि सुरक्षित स्थानों पर किराए में शिफ्ट होना चाहते है तो उनको प्रति परिवार तीन माह तक 4-4 हजार किराया भी दिया जाएगा। जिला आपदा परिचालन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार देहरादून में अतिवृष्टि के कारण सरकारी एवं निजी परिसंपत्तियों का भी भारी नुकसान हुआ है। देहरादून जनपद के सभी विकासखंडो में 13 पुल, 10 पुलिया, 02 मकान, 31 दीवार, 02 अमृत सरोवर, 12 खेत, 12 नहर, 21 सड़के, 7 पेयजल योजना, 08 हॉज, 24 पुस्ता आदि परिसंपत्तियों का भारी नुकसान हुआ है।

GRIHUM HOUSING FINANCE
Apna Ghar. Apni Pehchan.
गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड
(पूर्व में पूनावाला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के नाम से जाना जाता था)
पंजीकृत कार्यालयः 6वीं मंजिल, बी बिल्डिंग, गंगा ट्रूनो, लोहेगांव, पुणे, महाराष्ट्र 411014
ब्रांच ऑफ यूनिटः दूसरी मंजिल, एसजीएडी कॉम्प्लेक्स, नैनीताल रोड, रुद्रपुर, उत्तराखंड -263153
ई-नीलामी बिक्री सूचना
सरफेसी अधिनियम के तहत सुरक्षित अचल संपत्ति की ई-नीलामी बिक्री सूचना
वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (ह्लअधिनियमह्व) के अंतर्गत अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु ई-नीलामी बिक्री सूचना, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 और 9 के साथ पठित। यहाँ आम जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/बंधककर्ता/गारंटर को यह सूचना दी जाती है कि नीचे वर्णित अचल संपत्तियाँ गृहम हाउसिंग के पास गिरवी रखी गई हैं। फाइनेंस लिमिटेड (जिसे पहले पूनावाला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के नाम से जाना जाता था, अब पूनावाला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड का नाम बदलकर गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड कर दिया गया है, जो 17 नवंबर 2023 से प्रभावी है।(पहले मैग्मा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के नाम से जाना जाता था और मूल रूप से जीई मनी हाउसिंग फाइनेंस पब्लिक के नाम से निगमित था। अनलिमिटेड कंपनी) (जिसे आगे अधिनियम के अनुसार "प्रतिभूत लेनदार" कहा जाएगा), जिसका कब्जा प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा अधिनियम की धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अधिनियम की धारा 13(2) के तहत जारी नोटिस के अनुसरण में प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम के नियम 8 और 9 के साथ पठित, ले लिया गया है।प्रतिभूत आस्तियाँ 18/10/2025 को ई-नीलामी के माध्यम से "जहाँ है", "जो है" और "जो भी है" के आधार पर बेची जाएँगी। आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि हम वेबसाइट: https://www.bankeauctions.com पर उपलब्ध ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से सार्वजनिक नीलामी करने जा रहे हैं।
बिक्री की विस्तृत नियम व शर्तों के लिए, कृपया ऋण/प्रतिभूत लेनदार की वेबसाइट यानी **www.grihumhousing.com** पर दिए गए लिंक को देखें।

प्रस्ताव संख्या ग्राहक का नाम {ए}	मांग सूचना दिनांक और उत्कृष्ट राशि {बी}	कब्जे की प्रकृति {सी}	विवरण संपत्ति का {डी}	संरक्षित कीमत {ई}	ईएमडी (10% आरपी के) {एफ}	ईएमडी जमा करने की तिथि {जी}	वृद्धिशील बोली {एच}	संपत्ति निरीक्षण दिनांक एवं समय {क}	दिनांक और का समय नीलामी {जे}	ज्ञात अतिक्रमण-प्रतिबंध/अदालत मामले यदि कोई हों {के}
ऋण सं. HL0017310000 0005033971 अमरीश सो रामनाथ सिंह (उधार लेने वाला) रामनाथ सो राहवीर (सी.ओ उधार लेने वाला)	सूचना दिनांक: 07/01/2025 कुल बकाया: रु. 2355134/- (तेईस लाख पचपन हजार एक सौ चौंतीस रुपये मात्र) 07/01/2025 तक देय साथ ही वसूली तक 13.50% प्रति वर्ष ब्याज भी।	भौतिक	निर्मित आवासीय संपत्ति का वह पूरा टुकड़ा भूखंड संख्या 14 और 15 के एक हिस्से पर मकान बना हुआ है, जिसमें पूर्व में 34 फीट, पश्चिम में 34 फीट, उत्तर में 16 फीट 9 इंच और दक्षिण में 16 फीट की जमीन है, जिसका क्षेत्रफल 556.75 वर्ग फीट यानी 51.54 वर्ग मीटर है। कुल आच्छादित क्षेत्रफल 1200 वर्ग फीट है। पूर्व में विक्रेता के भूखंड से घिरा हुआ, पश्चिम में भूखंड संख्या 14 का एक हिस्सा, उत्तर में अन्य व्यक्ति की जमीन और दक्षिण में 18 फीट चौड़ा, खसरा संख्या 379/1/2/3 से संबंधित, गाँव रावली महदूद परगना ज्वालापुर तहसील और जिला हरिद्वार में स्थित है।	रु. 2491607/ (चौबीस लाख इक्यानवे हजार छह सौ सात रुपये मात्र)	रु. 249160.7/- (रुपये दो लाख उनचास हजार एक सौ साठ सात पैसे मात्र)	29-09-2025 शाम 5 बजे से पहले	10,000/-	26-09-2025 (सुबह 11 बजे शाम 4 बजे)	18-10-2025 (सुबह 11 बजे दोपहर 2 बजे)	शून्य

इच्छुक बोलीदाताओं/खरीदारों को सलाह दी जाती है कि वे सुरक्षित ऋणदाता शाखा और नीलामी संपत्तियों पर जाएँ, स्वयं जाँच करें और अतिरिक्त शुल्कों, भारों और किसी भी तृतीय-पक्ष के हितों का पता लगाएँ और बोली जमा करने से पहले सभी पहलुओं से स्वयं को संतुष्ट करें। संपत्ति कर, बिजली/पानी के बकाया और संपत्ति से जुड़े अन्य सभी बकाया, यदि कोई हों, जैसे सभी वैधानिक बकाया, सफल बोलीदाता द्वारा पता लगाए और चुकाए जाने चाहिए। इच्छुक बोलीदाताओं को पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराना होगा और नीलामी सेवा प्रदाता (सी1 इंडिया प्राइवेट लिमिटेड) से लॉगिन आईडी और पासवर्ड, जो ई-बोली के लिए अनिवार्य है, पहले ही प्राप्त कर लेना होगा।
लिमिटेड। पता- प्लॉट संख्या-68, तीसरी मंजिल, गुड़गांव, हरियाणा-122003। हेल्पलाइन नंबर- 7291981124,25,26। सहायता ईमेल आईडी: **Support@bankeauctions.com**। संपर्क व्यक्ति: विनोद चौहान, ईमेल आईडी- **delhi@c1india.com** संपर्क संख्या- 9813887931। कृपया ध्यान दें कि संभावित बोलीदाता केवल उन्हीं से ई-नीलामी पर ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। इच्छुक क्रेता/बोलीदाता को 29/09/2025 तक या उससे पहले "गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड", बैंक-आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के खाते में **NEFT/RTGS/DD** के माध्यम से बयाना राशि जमा करनी होगी। खाता संख्या-000651000460 और **IFSC** कोड- **ICIC0000006**, 20, आर.एन. मुखर्जी रोड- कोलकाता-700001, किसी भी राष्ट्रीयकृत या अनुसूचित बैंक से आहरित **https://www.bankeauctions.com** पर अपना नाम पंजीकृत करें और नि:शुल्क उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड प्राप्त करें। और सेवा प्रदाता से ई-नीलामी पर प्रशिक्षण प्राप्त करें। वेबसाइट पर पंजीकरण के बाद, इच्छुक क्रेता/बोलीदाता को निम्नलिखित दस्तावेजों की प्रतियाँ अपलोड करवानी होंगी,